भारत की राष्ट्रपति,

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

का

गुजरात वश्व वद्यालय के **herSTART** स्टार्ट-अप प्लैटफ़ार्म के उद्घाटन और गुजरात सरकार के ट्राइबल डेवलपमेंट और शक्षा से जुड़ी व भन्न योजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर सम्बोधन

अहमदाबाद, 4 अक्तूबर, 2022

गुजरात के सबसे पुराने और सबसे बड़े इस वश्ववद्यालय में आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। गांधी जी और सरदार पटेल के सपनों के अनुसार वर्ष 1949 में स्थापत यह वश्ववद्यालय अनेक मानकों पर गुजरात और पूरे देश में अग्रणी स्थान रखता है। गुजरात वश्ववद्यालय के लए यह गर्व की बात है क न केवल भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी बल्कि भारत के अन्तरिक्ष कार्यक्रम के जनक, डॉक्टर वक्रम साराभाई, **ISRO** के पूर्व-प्रमुख, डॉक्टर के. कस्तूरीरंगन और भारत के गृह मंत्री, श्री अमत शाह भी इस **university** के पूर्व छात्र रह चुके हैं।

डॉक्टर वक्रम साराभाई जैसे वैज्ञानिक जिस संस्थान के छात्र रह चुके हों उसका वज्ञान, अनुसंधान और **innovation** में अग्रणी रहना स्वाभावक ही ही है। इस **university** के **campus** में 450 से अधक स्टार्ट-अप कार्य कर रहे हैं और उनके द्वारा रोजगार के अवसर प्रदान कए गए हैं। मुझे यह ज्ञात हुआ है क वर्तमान में इस **university** द्वारा 125 से अधक

महिलाओं द्वारा नेतृत्व प्रदान कए जा रहे **start-ups** को सक्रय सहयोग दिया जा रहा है। सर्फ यही नहीं, करीब **15,000** महिला उद्यमी **online** या **offline** माध्यम से इस **initiative** से जुड़े हुए हैं।

ऐसे **start-up friendly university** में महिला उद्यमयों के लए समर्पत **herSTART** नामक **start-up** प्लैटफ़ार्म का उद्घाटन करना मेरे लए गौरव की बात है। मुझे वश्वास है क महिला उद्यमयों के **innovation** और **start-up** के प्रयासों को बढ़ावा देने में यह प्लैटफ़ार्म बहुत ही महत्वपूर्ण साबित होगा। यह प्लैटफ़ार्म महिला उद्यमयों को वभन्न सरकारी और प्राइवेट उपक्रमों से जोड़ने का एक प्रभावी मंच भी साबित होगा।

आप सब को ज्ञात ही होगा क, हाल में ही जारी Global Innovation Index 2022 में भारत 81वें से 40वें स्थान पर पहुंच गया है। इस संदर्भ में शक्षा, वशेषकर बालका और जनजातीय शक्षा, से जुड़े सैनिक स्कूल, **Girls Literacy Residential School** और **Eklavya Model Residential School** जैसी परियोजनाओं का उद्घाटन करके मुझे खुशी हो रही है। क्योंक वज्ञान, अनुसंधान और **innovation** में भारत की की स्थिति को और मजबूत बनाने की आधारशला स्कूली-शक्षा द्वारा ही निर्मत होगी। राष्ट्रीय शक्षा नीति 2020 के तहत भी भारत को **knowledge super power** बनाने का लक्ष्य तय कया गया है।

गुजरात ने अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ शक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हासल की है। पछले दो दशकों में राज्य में स्कूल **drop-out** की दर 22 **percent** से घटकर 1.37 **percent** ही रह गयी है। शक्षक-छात्र **ratio** भी 40 से सुधरकर 26 तक पहुँच गया है। आज 'वद्या समीक्षा केंद्र' के माध्यम से करीब 55,000 स्कूलों में छात्रों और शक्षकों की **real**

time monitoring की जा रही है जिससे छात्रों के **learning outcome** में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। मुझे यह भी बताया गया है क **Mission School of Excellence** के तहत अगले पांच वर्षों में राज्य के करीब **20,000** स्कूलों की आधारभूत संरचना को **upgrade** करने का लक्ष्य रखा गया है।

गुजरात ने उच्च शक्षा के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व प्रगति की है। जहां 2001-02 में राज्य में **colleges** की संख्या 775 थी वहीं 2020-21 में यह संख्या 3,100 से अधक हो गई। उच्च शक्षा के मूल्यांकन के लए भारत का पहला **education quality and monitoring cell,** 'गरिमा सेल' इसी राज्य में स्थापत कया गया है।

इसी तरह 'वन बंधु-कल्याण योजना' के प्रभावी कार्यान्वयन से जनजातीय समाज में साक्षरता दर में उल्लेखनीय वृद्ध हुई है। साथ ही **school drop drop out** दर में भी कमी आई है। गुजरात सरकार 'गुजरात गौरव अभयान' के अंतर्गत जनजातीय क्षेत्र के वकास के लए अनेक योजनाओं पर कार्य कर रही है।

देवयो और सज्जनो

कल भी मैंने राज्य में स्वास्थ्य, संचाई, जल-आपूर्ति और यातायात से संबंधत अनेक योजनाओं की आधारशला रखी और लोकार्पण कया। मुझे वश्वास है क ये सारी परियोजनाएं राज्य के वकास को और अधक गति देने और यहाँ के निवासयों के जीवन स्तर को सुधारने में सहायक सद्ध होंगी।

मुझे यह देखकर बहुत प्रसन्नता होती है क गुजरात वकास के कई मानकों पर पछले दो दशकों में अग्रणी राज्य रहा है। **Industry,**

Innovation और **Infrastructure** के समावेशी वकास में गुजरात ने कई कई मानक प्रस्तुत कए हैं।

देवयो और सज्जनो

हर राज्य के वकास का अपना **model** होता है जो राज्य के संसाधनों और जरूरतों से निर्धारित होता है। लेकन गुजरात ने जिस तरह से पछले पछले दो दशकों में सर्वांगीण प्रगति की है उसने अन्य राज्यों को **inclusive development** का रास्ता दिखाया है। अगर सारे राज्य एक दूसरे से सीखते हुए और उनके सफल **model** को अपनाते हुए आगे बढ़े तो मुझे पूरा वश्वास है क हमारा देश अमृत-काल के दौरान एक वकसत वकसत देश के रूप में अपना स्थान सुनिश्चित कर लेगा।

जय जय गर्वी गुजरात!

जय हिन्द!

जय भारत!